https://universitynews.in/

4005

Total No. of Pages : 3]

A-92

[Total No. of Questions : 6

B.A. (Part - III) EXAMINATION - 2021
HINDI LITERATURE
कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)
Second Paper

Duration : 90 Minutes]
अवधि : 90 Minutes]

Max. Marks : 100
[पूर्णांक : 100

Instructions to the candidates :

Attempt questions to the extent of 50% of maximum marks of the question paper. Any question with or without 'or' or from any unit/section/part may be chosen.

प्रश्न पत्र के किसी भी इकाई/भाग/खंड में से स्वेच्छा से इस प्रकार प्रश्नों का चयन करें कि प्रश्न पत्र के पूर्णांक में से अधिकतम 50% अंकों के प्रश्न हल हो सकें। 'अथवा' के साथ दिए प्रश्नों में भी किसी प्रकार की बाध्यता नहीं है।

दाहिनी ओर प्रश्न के अंक दिये गए हैं।

निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

क) इस प्रसंग से बढ़कर प्रभुत्वशाली एवं मुखर मेरे जीवन की कोई कहानी नहीं है। वैसे जीवन ही कितना बड़ा है मेरा! मात्र चौबीस वसंत क्रतुओं की माला ही तो गूँथ पाई हूँ। और उनमें मात्र एक यही घटना है, जीवन अंश है जो नवरस में आपको डूबो सकता है। क्रोध,वीर,श्रृंगार, रौद्र,वीभत्स, वात्सल्य, करूण, शांत, सौम्य–नवरसों का मिला–जुला इंद्रधनुषी रस ..... डूब जाइएगा आप।[10]

अथवा

सब अपने में और सब सबमें लीन रहते। यही कारण था कि प्रातस्पधा, इष्या–द्वष, प्रातकार व प्रतिशोध के भाव वहाँ फटक ही नहीं पाते थे–कार्यरूप में परिणत होने की तो बात ही जुदा। वहाँ तो इन भावों को किसी ने अत्यंत एकांत में भी मन के धरातल तक उतरने नहीं दिया था। [10]

ख) भला ऐसा कौन मनुष्य होगा, जिसके हृदय में संतान का मुख देखने की इच्छा न हो? परन्तु किया क्या जाय? जब नहीं है और न होने की आशा है, तब उसके लिए व्यर्थ चिन्ता करने से क्या लाभ? इसके सिवा, जो बात अपनी संतान से होती, वही भाई की संतान से हो रही है। जितना स्नेह अपनी पर होता उतना ही इन पर भी है। जो आनन्द उनकी बाल–क्रिड़ा से आता, वही इनकी क्रिड़ा से भी आ रहा है। फिर मैं नहीं समझता कि चिन्ता क्यों की जाय? [10]

अथवा

P.T.O.

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

तुमने रूपये लिये हैं और सेठ मेरे मालिक हैं, तो उनके घर में उनके खूँटे मैं रह लूँगी। रह तो मैं रही ही हूँ। पर उससे आगे मेरा वश कितना है तुम्हीं सोच लो। मैं गौ हूँ, रूपये के लेन-देन से अधिकार का और प्रेम का लेन-देन जिस भाव से तुम्हारी दुनिया में होता है, उसे मैं नहीं जानती। फिर भी तुम्हारी दुनिया में तुम्हारे नियम मानती जाऊँगी। लेकिन, तुम मुझे अपने हृदय का इतना स्नेह देते हो, तब तुम मेरे कुछ भी नहीं हो और मैं अपने हृदय का दूध बिल्कुल तुम्हारे प्रति नहीं बहा सकती–यह बात मैं किस तरह मान लूँ? [10]

ग) सोना का दिल उस रात से चहार दीवारी की चाहत से मुक्त हो गया। उसके अन्दर एक नफरत का उबाल हर दीवार को गिरा गया। उसने मिट्टी के ढेर पर बैठे-बैठे सामने कतार से खड़े पक्के ऊँचे मकानों-कोठियों को देखा। फिर वहीं ढेर पर लेट गयी। ऊपर आसमान पर तारे छिटक रहे थे। उन्हें देख सोना का दिल हल्का हुआ और अन्दर से एक हँसी फूटी। उसकी चौकन्नी आँखें पहले से ज्यादा चमकदार हो उठीं। [10]

अथवा

और तब उसे झुँझलाहट–सी हुई ..... डायरी हाथ में थी और उसकी निगाहें फिर दूर की उँची इमारतों पर अटक गई थीं, जिन पर बिजली के मुकुट जगमगा रहे थे। और उन नामों में से वह किसी को नहीं जानता था। इलाहाबाद में सबसे बड़े कपड़े वाले के बारे में इतना तो मालूम था कि पहले वह बहुत गरीब था और कन्धे पर कपड़ा रखकर फेरी लगाता था और अब उसका लड़का विदेश पढ़ने गया हुआ है ..... और वह खुद बहुत धार्मिक आदमी है जो अब माथे पर छापा–तिलक लगाकर मनमाना मुनाफा वसूल करता और कारपोरेशन का चुनाव लड़ने की तैयारियाँ कर रहा है। ..... लेकिन यहाँ कुछ भी पता नहीं चलता ..... किसी के बारे में कुछ भी मालूम नहीं पड़ता .....। [10]

Q2) उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'ज्यों मेहँदी को रंग' उपन्यास की समीक्षा कीजिए। [15]

अथवा

'ज्यों मेहँदी को रंग' उपन्यास विकलांगता के दंश को झेलते हुए पारिवारिक और सामाजिक उपेक्षा के शिकार दिव्यांगों की करूण कथा है। इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए। [15]

Q3) "'पुरस्कार' कहानी में जयशंकर प्रसाद का लक्ष्य किसी ऐतिहासिक घटना का वर्णन न होकर मधूलिका के चरित्र के माध्यम से प्रेम के उदात्ततम रूप को प्रस्तुत करना है।" इस कथन के आलोक में 'पुरस्कार' कहानी की समीक्षा कीजिए। [15]

अथवा

'ताई' कहानी के नामकरण की सार्थकता पर विचार करते हुए रामेश्वरी की चारित्रिक विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [15]

https://universitynews.in/

https://universitynews.in/

Q4) 'जगा' कहानी की मूल संवेदना बताते हुए भाषा शैली पर प्रकाश डालिए। [15]

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'जगार' कहानी की समीक्षा कीजिए। [15]

Q5) हिन्दी कहानी के प्रमुख भेदों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [13]

अथवा

उपन्यास के प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालिए। [13]

Q6) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : [6+6=12]

i) धर्मवीर भारती का औपन्यासिक वैशिष्ट्य

ii) विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' की कहानी-कला

iii) आँचलिक उपन्यास और फणीश्वरनाथ 'रेणु'

iv) कथाकार मन्नू भंडारी

https://universitynews.in

https://universitynews.in/